अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–190 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 10 नवम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। सी एच सी असोहा में आयोजित प्रधान मंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का निरीक्षण करते हुए अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ड्रा जे आर सिंह, जिला स्वास्थ्य शिक्षा सूचना अधिकारी लाल बहादुर यादव। दिनांक 09/11/2021 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र असोहा में आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस का अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ड्रा जे आर सिंह, जिला स्वास्थ्य शिक्षा सूचना अधिकारी लाल बहादुर यादव ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर महिला चिकित्सक,स्टाफ नर्स की उपस्थिति, आवश्यक उपकरण, दवाओं की उपलब्धता, जांच, जटिल प्रसव और उनके उपचार की सुविधा आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महिला चिकित्सक डॉ रेनू यादव, स्टाफ नर्स संगीता, अधीक्षक डॉक्टर वी पी सिंह उपस्थित रहे।

कानपुर मेट्रो के 'ट्रायल रन' को हरी झंडी दिखाएंगे योगी

कानपुर (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को कानपुर मेट्रो के 'ट्रायल रन' को हरी झंडी दिखाएंगे। जिलाधिकारी विशाख जी. अय्यर ने मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी सरकारी पॉलीटेक्निक पर स्थित मेट्रो डिपो पर मेट्रो रेल के 'ट्रायल रन' को झंडी दिखाएंगे। इसका वाणिज्यिक संचालन 31 दिसम्बर से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि पूर्व में यह 'ट्रायल रन' नवम्बर के मध्य में होना था लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इसे समय से पहले कराया जा रहा है। कानपुर मेट्रो के एक अधिकारी ने बताया कि 'ट्रायल रन' के लिये डिपो में दो मेट्रो रेलगाड़ियों को तैयार किया गया है और हर रेलगाड़ी में तीन डिब्बे होंगे। उन्होंने बताया कि आईआईटी–कानपुर और मोतीझील के बीच 12 मेट्रो रेलगाड़ियां चलायी जाएंगी। उन्होंने बताया कि पहले चरण में मेट्रो नौ किलोमीटर के दायरे में दौड़ेगी जबकि दूसरे चरण की मेट्रो मोतीझील से ट्रांसपोर्ट नगर के बीच चलायी जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री मेट्रो 'ट्रायल रन' कराने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ कानपुर विकास प्राधिकरण सभाकक्ष में बैठक करके जिले में जीका वायरस संक्रमण की स्थिति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि उसके बाद मुख्यमंत्री जीका से प्रभावित इलाकों का दौरा करके संक्रमित मरीजों के परिजन से मुलाकात भी करेंगे।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। आगामी छठ पूजा के गंगाघाट क्षेत्रांतर्गत गंगातट पर हुए श्रीमान जिलाधिकारी महोदय महोदय उन्नाव व श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव एवं श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव।

उप्र में पहले दंगे होते थे, अब त्योहार शांतिपूर्वक मनाये जाते हैं: योगी आदित्यनाथ

बदायूं (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य की पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार में दंगे होते थे और आतंकवादियों के मुकदमे वापिस होते थे लेकिन अब सभी त्योहार

एवं पर्व शांतिपूर्वक मनाये जाते हैं। आदित्यनाथ ने कहा, ''अयोध्या हमारी पहचान है, जिस अयोध्या में लोग जाने से घबराते थे आज वहां मनाये गये दीपावली के त्योहार ने देश और दुनिया को अपनी ओर आकर्षित किया है।''मुख्यमंत्री ने मंगलवार को बदायूं में विकास योजनाओं के लोकार्पण शिलान्यास कार्यक्रम में कहा, ''सरकारों की सोच होती है, याद करिये समाजवादी पार्टी की सरकार 2012 में आयी थी उसने पहला काम क्या किया था? सबसे पहले कोसीकंला का दंगा हुआ था, बरेली का दंगा, मुजफ्फरनगर में दंगा, लखनऊ में दंगा, कानपुर में दंगा। कोई जनपद ऐसा नहीं था जहां दंगे नहीं हुये हों।'' उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी ने सत्ता में आने के बाद गरीबों, महिलाओं, नौजवानों, किसानों के लिये कुछ नहीं किया बल्कि सरकार में आते ही श्रीरामजन्म भूमि पर आतंकी हमला करने वाले आतंकवादियों के मुकदमों को वापस लेने का काम किया। उन्होंने कहा, ''पिछली सरकारें आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेती थीं, दंगाइयों को मुख्यमंत्री आवास ुलाकर सम्मानित किया जाता था लेकिन हमारी सरकार में आतंकवादियों को उनके लोक में पहुंचाने का कार्य होता है।'' उन्होंने कहा, ''2017 के पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति क्या थी, बदहाल कानून व्यवस्था, हर तीसरे दिन दंगे, कोई पर्व या त्योहार शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न नहीं हो सकता था। अराजकता चरम पर थी और पूरे प्रदेश के अंदर बेटियां और बहनें अपने आपको असुरक्षित महसूस करती थी, कोई व्यक्ति पूंजी निवेश करने को तैयार नहीं था। ऐसा इसलिए क्योंकि उसे मालूम था कि जब वह ही सुरक्षित नहीं तो उसकी पूंजी प्रदेश में कैसे सुरक्षित रह पायेगी।''योगी ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में बदले उत्तर प्रदेश में सभी त्योहार शांतिपूर्वक और उल्लास से मनाये गये। उन्होंने कहा कि वहीं 2017 के पहले भले ही कोरोना वायरस नहीं था लेकिन जब पर्व और त्योहार आते थे तो कर्फ्यू के कारण हमारी आस्था पर कुठाराघात होता था। उन्होंने आरोप लगाया, ''यदि कोई उन दंगाइयों के खिलाफ आवाज उठाता तो झूठे मुकदमों में उसे फंसाकर प्रताड़ित किया जाता था, परेशान किया जाता था। लेकिन 2017 के बाद आपने देखा होगा राज्य में कोई दंगा नहीं हुआ, पर्व और त्योहार शांतिपूर्वक तरीके से मनाये जा रहे हैं। कोई बाधा नहीं है।''मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अपराध और अपराधियों के प्रति बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने की जिस नीति से कार्य करना आरंभ किया है, आज उसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ दंगा मुक्त प्रदेश, अपराध मुक्त प्रदेश के रूप में देश के सामने आया है, वहीं देश के अंदर सत्ता के संरक्षण में पलने वाले अपराधियों के खिलाफ कैसी कार्यवाही होनी चाहिये, उत्तर प्रदेश ने उसकी नजीर भी देश के सामने पेश की है। आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया की 1800 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गयी है और लगभग इतने ही करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जो जब्त नहीं हो सकती थी, उसको बुलडोजर लगाकर ध्वस्त करने का काम भी राज्य की सरकार ने ही किया है। उन्होंने कहा कि सरकार 2017 में आयी तो सबसे पहला काम बहनों और बेटियों की सुरक्षा के लिए 'एंटी रोमियों स्क्वाड' का गठन करके हर जनपद में मिशन शक्ति का एक अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा, ''अयोध्या हमारी पहचान है, जिस अयोध्या में लोग जाने से घबराते थे, कुछ लोग तो कहते थे कि राम हुये ही नहीं, कृष्ण हुये ही नहीं, इसमें संदेह करते थे, प्रश्न खड़े करते थे। अयोध्या में जब राममंदिर की बात करते थे तो प्रश्न खड़े करते थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने जब अयोध्या में दीपावली उत्सव का आयोजन किया तो पूरी दुनिया उसे देखा। अयोध्या की दीपावली ने पूरी दुनिया और देश को आकर्षित किया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारें भ्रष्टाचार में लिप्त थीं और प्रदेश की जनता के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा, ''उनका एजेंडा मैं और मेरा परिवार तक सीमित था, इसी कारण उनके हर कार्य में मैं और मेरा अंहकार झलकता था। पिछले साढ़े चार सालों में अपने एक नये उत्तर प्रदेश की तस्वीर को बदलते हुये देखा है।'' मुख्यमंत्री ने बदायूं में अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सड़क हादसे में वाइक सवार दो युवकों की दर्द नाक मौत

अवध की आवाज

कालपी जालौन।–मंगलवार को कालपी जोल्हुपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में चौरासी गुम्बद के समीप भीषण दुर्घटना में वाइक सवार दो युवकों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई फलस्वरूप काफी देर तक अफरा तफरी मची रही। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सिरसा कला थाना क्षेत्र के ग्राम भगौरा निवासी अनूप सविता पुत्र सर्वेश उम्र 23 वर्ष तथा जगदेव सिंह पुत्र मानसिंह उम्र 22 वर्ष अपनी मोटरसाइकिल से कालपी से अपने गांव जा रहे थे राष्ट्रीय राजमार्ग में चौरासी गुंबद के पास बेकाबू मारुति वैन से मोटरसाइकिल टकरा गई इस दुर्घटना में बाइक सवार नजदीक से निकल रहे ट्रक की चपेट में आ गए। फलस्वरूप दोनों युवकों की दर्द नाक मौत हो गई। सूचना पाकर दोनों युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में पहुंचाया गया। चिकित्सा अधिकारी डॉ उदय कुमार ने दोनों युवकों का परीक्षण करने के बाद मृत्यु घोषित कर दिया। बताते हैं कि मृतक अनूप की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। जबकि जगदेव सिंह अविवाहित हैं। घर में खब्बर पहुंचने पर दोनों युवकों के पारिवारिक जनों में मातम छा गया।

तहसील बिसवां मंडी समिति धान क्रय केंद्र पर संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा हो रही धांधली और भ्रष्टाचार के विरुद्ध मंगलवार को धरना प्रदर्शन किया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। तहसील बिसवां मंडी समिति धान क्रय केंद्र पर संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा हो रही धांधली और भ्रष्टाचार के विरुद्ध आज धरना प्रदर्शन किया गया। खबर पाकर उपजिलाधिकारी बिसवां धरना स्थल पर पहुंचे। दीपावली से पहले धान तौल के लिए लाइन में लगे किसानों की समस्यायों को सुना। सेंटर संचालक रमाकांत शुक्ला और दलाल सुरेन्द्र यादव द्वारा कल रात की गई फर्जी धान खरीद की एक सौ बारह बोरी धान मिला,जिसकी कोई भी लिखा पढ़ी नहीं थी,और न कोई किसान उस धान का मालिक था?फर्जी तौल और दलालों के माध्यम से की जा रही धान खरीद का प्रमाण सहित खुलासा होने पर उपजिलाधिकारी द्वारा लीपापोती का प्रयास किए जाने पर उपस्थित संयुक्त किसान मोर्चा पदाधिकारी और उपस्थित किसान उग्र हो गए। बात बढ़ती देखकर उपजिलाधिकारी द्वारा सेंटर प्रभारी रमाकांत शुक्ला को व दलाल सुरेन्द्र यादव को अपनी गाड़ी में बिठाकर उपस्थित किसानों को दोषियों के विरूद्ध एफआईआर का आश्वासन देकर चले गए!और संयुक्त किसान मोर्चा पदाधिकारी बिसवां माडरमऊ बबौर धान क्रय केंद्र पर पहुंच गए! वहां की सेंटर प्रभारी अनामिका सिंह द्वारा बाउंड्री के अन्दर बगैर किसी बोर्ड के खानापूर्ति कर सिर्फ कागजों पर अवैध खरीद चल रही है। पूछने पर

विगत दिन दो सौ ग्यारह कुंटल धान खरीद की गई है!जबकि वहां कोई धान नहीं था?बताया गया कि कल रात ही धान मिल को भेजा जा चुका है! जबकि अपने धान बिक्री के लिए उपस्थित किसानों और पास पड़ोस के लोगों ने बताया यहां कल कोई खरीद नहीं हुई है। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसान धान क्रय केंद्र के सामने धरने पर बैठ गए!धरने पर पिंदर सिंह सिद्धू,अल्पना सिंह,गुरुपाल सिंह,शिव प्रकाश सिंह,अंबुज श्रीवास्तव, हरप्रीत सिंह,मतीन खां,शराफत खान, संतराम,डा० इस्लामुद्दीन अंसारी,सुबोध यादव, आशीष पांडे, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, मंजीत सिंह रन्धावा सहित सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

सांसद खेल स्पर्धा प्रतियोगिता के भव्य आयोजन को लेकर सांसद कैसरगंज की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। जनपद में सांसद खेल स्पर्धा प्रतियोगिता का भव्यता के साथ आयोजन होगा। खेल स्पर्धा प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर मंगलवार को सांसद कैसरगंज/राष्ट्रीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में तैयारी बैठक आयोजित हुई जिसमें आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा के साथ ही विभागीय अधिकारियों तथा अन्य लोगों से विचार विमर्श किया गया।

बैठक में सांसद कैसरगंज श्री सिंह ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी की मंशानुरूप जनपद में खेल स्पर्धा प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है जिसमें कबड्डी, दौड़, खो–खो, बैडमिंटन, भारोत्तोलन, ताईक्वाण्डो, वालीबाल, क्रिकेट सहित कुल 11 प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाएगा। उन्होंने खेल विभाग, नेहरू युवा केन्द्र, जिला युवा कल्याण अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, सभी खण्ड विकास अधिकारियों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अगले तीन दिन के अन्दर ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत तथा ब्लाक स्तर पर प्रतियोगिताओं के आयोजन को लेकर कार्ययोजना बना लें। उन्होंने कहा कि स्वयं उनके स्तर से प्रत्येक ब्लाक हेतु जिम्मेदार लोगों को लगाया है परन्तु विभागीय अधिकारी इसमें अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कराते हुए प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन सम्पन्न कराएं। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु 10 नवम्बर से 20 नवम्बर तक पंजीकरण होगा।

जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने–अपने विभाग की कार्ययोजना तैयार करा लें। खण्ड विकास अधिकारियों तथा अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ब्लाक एवं नगर निकाय स्तर पर प्रतियोगिता के आयोजन की रूपरेखा तैयार कर ग्राम प्रधानों एवं सभासदों के साथ बैठक कर तैयारी शुरू कर दें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि विभिन्न स्तरों पर खेल के मैदान चिन्हित कर वहां की साफ–सफाई, खेल सामग्री का प्रबंधन, प्रतियोगिता के आयोजन के लिए विभिन्न प्रकार की समितियों का गठन कर उनकी बैठक करा लें। उन्होंने बताया कि ब्लाकवार आयोजन की तिथियां निर्धारित की गई हैं जिसके अनुसार प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। बैठक में डीएम मार्कण्डेय शाही, विधायक सदर प्रतीक भूषण शरण सिंह, सीडीओ शशांक त्रिपाठी, एएसपी शिवराज, भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष दीपक गुप्ता, प्रतिनिधि संजीव सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित विभागीय अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय व अन्य उपस्थित रहे।

वायु प्रदूषण से बचने को मास्क, भाप व प्राणायाम जरूरी : डॉ. सूर्यकान्त

वायु प्रदूषण के चलते सांस की तकलीफ से जूझ रहे लोग बरतें सावधानी मास्क लागाकर ही बाहर निकलें, संक्रामक रोगों की चपेट में आने से बचें

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। तापमान में गिरावट के साथ ही दीपावली में पटाखों के इस्तेमाल के कारण प्रदेश के अधिकतर जिले इस वक्त खतरनाक वायु प्रदूषण की गिरफ्त में हैं । ऐसे में सांस की तकलीफ के मरीजों की तादाद एकाएक बढ़ गयी है । अस्पतालों की ओपीडी में भी इस समस्या का सामना कर रहे लोग बड़ी संख्या में पहुँच रहे हैं । इसलिए इस वक्त सेहत का खास ख्याल रखने के साथ ही बाहर निकलने पर मास्क का इस्तेमाल पहले से भी ज्यादा जरूरी हो गया है । इसके अलावा नियमित भाप लेना, प्राणायाम व योग सांस की तकलीफ को दूर करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं । यह कहना है किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेस्परेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त का ।

डॉ. सूर्यकान्त का कहना है कि वायु प्रदूषण का असर फेफड़ों को ही नहीं बल्कि शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित करता है । गिरते तापमान व धुंध (स्मॉग) के चलते धूल के कण ऊपर नहीं जा पाते और नीचे ही वायरस व बैक्टीरिया के संवाहक का कार्य करते हैं, ऐसे में अगर बिना मास्क लगाए बाहर निकलते हैं तो वायरस व बैक्टीरिया साँसों के जरिये शरीर में प्रवेश करने का मौका पा जाते हैं । वायु प्रदूषण में पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 माइक्रान यानि बहुत ही महीन धूल कण ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकते हैं क्योंकि वह सांस मार्ग से फेफड़ों तक पहुँच सकते हैं जबकि 10 माइक्रान तक वाले धूल कण गले तक ही रह जाते हैं जो गले में खराश और बलगम पैदा करते हैं । वायु प्रदूषण के कारण सांस मार्ग में सूजन की समस्या पैदा होती है और सूजन युक्त सांस मार्ग कई बीमारियों को आमन्त्रण देता है । इसलिए घर से बाहर निकलने पर मास्क से मुंह व नाक को अच्छी तरह से ढककर वायरस व बैक्टीरिया से जुड़ी बीमारियों जैसे– कोरोना, टीबी व निमोनिया ही नहीं बल्कि एलर्जी, अस्थमा व वायु प्रदूषण जनित तमाम बीमारियों से भी सुरक्षित रह सकते हैं । इस समय बढ़ता प्रदूषण व सर्दी इन बीमारियों को और भी गंभीर बना सकता है, ऐसे में अभी किसी भी तरह की ढिलाई बरतना खुद के साथ दूसरों को भी मुश्किल में डालने वाला साबित हो सकता है ।

इन बातों का रखें ख्याल :

– सांस के रोगी जहां तक हो सके घर के अन्दर ही रहें, पानी व पेय पदार्थों का भरपूर सेवन करें तथा भाप लें ।

– बाहर निकलने पर मास्क से नाक व मुंह को अच्छी तरह ढककर रखें, जहां वायु में प्रदूषकों का घनत्व ज्यादा हो वहां तो मास्क का प्रयोग बहुत ही जरूरी है ।

– दमा के रोगी अपनी दवाएं नियमित रूप से लेते रहें और जरूरत पड़ने पर तुरन्त चिकित्सक से सलाह लें ।

कोविड–19 की संभावित तीसरी लहर :

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश के कोविड टीकाकरण के ब्रांड एम्बेसडर डॉ. सूर्यकान्त का कहना है कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर आज एक ज्वलन्त मुद्दा बना हुआ है । यह हम सभी पर निर्भर करता है कि कोरोना की तीसरी लहर आयेगी या नहीं आयेगी, दरवाजा खटखटायेगी और दूसरे दरवाजे से वापस चली जायेगी । हम तीन तरीकों से कोविड–19 की संभावित तीसरी लहर से खुद के साथ समुदाय को सुरक्षित बना सकते हैं ।

– बायोलाजिकल वैक्सीन : देश ने बहुत कम समय में 100 करोड़ टीकाकरण की गौरवशाली उपलब्धि हासिल कर ली है, जो कि गर्व की बात है लेकिन हर्ड इम्यूनिटी प्राप्त करने के लिए लगभग 188 करोड़ डोज लगना बहुत जरूरी है । अतः अपनी बारी आने पर वैक्सीन जरूर लगवायें ।

– सोशल वैक्सीन रू टीकाकरण के बाद भी कोविड प्रोटोकाल (मास्क, उचित दूरी, हाथों की स्वच्छता) का पालन करें

– इम्यूनिटी वैक्सीन : ताजा और स्वास्थ्यवर्धक भोजन करें

क्या कहते हैं आंकड़े :

डॉ. सूर्यकांत का कहना है कि स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर/2020 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में भारत के छह शहर शामिल हैं । उनका कहना है कि देश में वायु प्रदूषण से हर साल होने वाली मौतों का आंकड़ा भी 12 लाख से बढ़कर 16 लाख पर पहुँच गया है । ऐसे में हमें वातावरण को प्रदूषित होने से बचाने के बारे में भी गंभीरता से सोचने की जरूरत है ।

पुलिस अधीक्षक गोंडा छठ पूजा को देखते हुए खैरा भवानी मंदिर गोंडा में छठ पूजा स्थल का किया निरीक्षण

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा ने छठ पर्व के दृष्टिगत खैरा भवानी मंदिर स्थित छठ पूजास्थल का किया निरीक्षण, छठ पूजा के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था लगाने हेतु प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर को दिए निर्देश आपको बताते चलें कि छठ पूजा का आज दूसरा दिन है और यह छठ पूजा महिलाएं बड़े धूमधाम के साथ मनाती है यह छठ पूजा नहाए खाए से शुरू होता है और 4 दिन तक चलता है आखरी दिन महिलाएं जिसका आज दूसरा दिन है और छठ पूजा 11 नवंबर 2021 दिन बृहस्पतिवार को आखरी दिन है इस दिन महिलाएं सूरज निकलने से पहले नदी पोखरे में सूरज को सुबह अरघ देती है इसी के साथ पढ़ना करती है यह त्यौहार जिले के कई स्थानों पर मनाया जाता है। इसी को देखते हुए मंगलवार को पुलिस अधीक्षक गोंडा खैरा भवानी मंदिर स्थित छठ पूजा स्थल का निरीक्षण किया और जिस जिस स्थान पर यह पूजा मनाया जाता है। वहां सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस का पुख्ता इंतजाम भी किया है। मोतीगंज थाना क्षेत्र के भवरिया पारा नई बस्ती इमिलिया सहित कई स्थानों पर छठ पूजा का त्यौहार मनाया जाता है यहां पर कुछ बिहार प्रांत के लोग हैं ना आकर कई वर्षों से रह रहे हैं और हर वर्ष छठ पूजा का त्यौहार धूमधाम के साथ मनाते हैं।

सम्पादकीय

चीन की तरह अपनी सर्जरी करे भारत

चीन इस समय तीन संकटों से जूझ रहा है। पहला संकट बेल्ट एंड रोड परियोजना या बीआरआई का है। बीते दो दशकों में चीन ने संपूर्ण विश्व को माल निर्यात किया है और चीन को भारी मात्रा में आय हुई है। इस रकम का निवेश करना जरूरी था। चीन ने इसका उपयोग बीआरआई में किया है। इससे चीन के निर्यातकों को और आसानी होगी क्योंकि चीन का माल दूसरे देशों में आसानी से पहुंच सकेगा। साथ–साथ चीन की निर्माण कंपनियों को भी बड़े ठेके मिलेंगे। लेकिन दूसरे देशों पर बीआरआई का प्रभाव संदिग्ध है। विश्व बैंक के अनुसार चीन से यूरोप को जाने वाली बीआरआई पर कजाखस्तान और पोलैंड में निर्माण की गतिविधियां बढ़ी हैं।

लेकिन बीआरआई में भ्रष्टाचार व्याप्त है। चीन की नौकरशाही द्वारा परियोजनाओं की लागत को बढ़ा–चढ़ा कर बताया जाता है और पर्याप्त रकम का रिसाव कर लिया जाता है। इस दृष्टि से मलेशिया के प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद ने बीआरआई को 'नया उपनिवेशवाद' बताया है। म्यांमार ने कुछ एक बंदरगाह परियोजना को निरस्त किया है। अन्य तमाम देशों ने परियोजनाओं के आकार में बदलाव की मांग की है।

इसलिए बीआरआई के दो परस्पर विरोधी संकेत उपलब्ध हैं। एक तरफ कजाखस्तान और पोलैंड जैसे देशों को लाभ हो रहा है, जबकि दूसरी तरफ मलेशिया जैसे देश इसका विरोध कर रहे हैं। इन दोनों परस्पर विरोधी संकेतों के बीच चीन को बीआरआई की सर्जरी करनी होगी जिसमें कि केवल कुशल परियोजनाओं को लागू किया जाए और परियोजनाओं में रिसाव पर नियंत्रण किया जाए। फिलहाल चीन यह सर्जरी नहीं कर रहा है, इसलिए बीआरआई पर संकट विद्यमान रहने की संभावना है। चीन का दूसरा संकट एवरग्रैंड नाम की कंस्ट्रक्शन कंपनी और दूसरी इसी तरह की विशाल कंपनियों का है। इन कंपनियों ने भारी मात्रा में लोन लिए थे। एवरग्रैंड ने भारी मात्रा में बहुमंजिले रिहायशी मकान बनाए, लेकिन कोविड संकट के कारण इनकी बिक्री नहीं हो सकी। फलस्वरूप यह कंपनी लोन से दब गई और समय के अनुसार रिपेमेंट नहीं कर पा रही थी। इस तरह की कंपनियों के डूबने से संपूर्ण अर्थव्यवस्था में संकट पैदा न हो, इसलिए शी जिनपिंग ने नियम बनाया कि किसी भी कंपनी को लोन तब ही दिए जाएंगे जब वे तीन शर्तों को पूरा करेंगी।

पहली शर्त थी कि कंपनी की कुल संपत्ति, कंपनी के द्वारा लिए गए कुल लोन से अधिक होनी चाहिए। दूसरी शर्त थी कि कंपनी के पास अल्प समय में लोन के रिपेमेंट को जितनी रकम की जरूरत है, उससे अधिक नगद उपलब्ध होना चाहिए। तीसरी शर्त थी कि कंपनी के अपनी पूंजी या शेयर कैपिटल की तुलना में लिया गया लोन कम होना चाहिए। जिन कंपनियों द्वारा इन तीनों शर्तों को पूरा किया जाता था, केवल उन्हीं को बैंक लोन दे सकते थे। एवरग्रैंड इन तीनों ही शर्तों को पूरा नहीं कर सकी। फलस्वरूप एवरग्रैंड को नए लोन नहीं मिल सके। वह लिए गए लोन का रिपेमेंट नहीं कर सकी क्योंकि उसके द्वारा बनाए गए रिहायशी मकान बिक नहीं रहे थे। इस संकट से उबरने के लिए एवरग्रैंड को अपनी संपत्तियों को कम मूल्य पर बेचना पड़ा। बल्कि चीन की सरकार ने सार्वजनिक इकाइयों को आदेश दिए कि एवरग्रैंड की संपत्तियों को वे कम दाम पर खरीद सकते हैं। इस प्रकार भारी भरकम लोन से दबी हुई एवरग्रैंड कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचकर अपने को हलका बनाना पड़ रहा है। यदि सरकार इस प्रकार का सख्त कदम नहीं उठाती तो बैंक इस कंपनी को और लोन देते रहते और आने वाले समय में यह बड़े संकट के रूप में संपूर्ण चीन की अर्थव्यवस्था को डुबो सकती थी। इसलिए चीन द्वारा अपनी वित्तीय अर्थव्यवस्था की सर्जरी की गई है, ऐसा मानना चाहिए।

इसे मैं चीन के लिए शुभ संकेत मानता हूं क्योंकि स्वयं अपने ऊपर लाए गए इस छोटे संकट से चीन अपनी अर्थव्यवस्था को भविष्य में बड़े संकट से बचा सकेगा। वर्तमान में चीन के सामने तीसरा संकट बिजली का है। इसका कारण यह है कि शी जिनपिंग ने प्रदूषण करने वाले थर्मल संयंत्रों द्वारा वायु के प्रदूषण किए जाने पर रोक लगाई है। कोयले से बिजली उत्पादन करने वाले कई संयंत्र बंद हो गए हैं और बिजली का संकट पैदा हो गया है। नशेड़ी को गुटखा न दिया जाए तो वह पस्त हो जाता है। इसी प्रकार वायु प्रदूषण के नशे में धुत चीन की अर्थव्यवस्था को प्रदूषण पर रोक लगाने से यह संकट पैदा हुआ है। यह भी चीन के लिए शुभ संकेत है। प्रदूषण कम होने से अर्थव्यवस्था मूलतः सुदृढ़ होती है। ऊर्जा का कुशल उपयोग होता है और लंबे समय में सस्ता माल बनाया जाता है। बिजली महंगी होगी तो बिजली का सदुपयोग होगा और अंत में चीन की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। चीन के तीन संकटों में एवरग्रैंड का वित्तीय संकट और पावर कट के संकट इसलिए पैदा हुए हैं कि चीन स्वयं अपनी सर्जरी कर रहा है। बीआरआई की सर्जरी फिलहाल चीन करता नहीं दिख रहा है, लेकिन यदि इसकी भी सर्जरी करेगा तो चीन उस संकट से भी सुदृढ़ निकलेगा। इस परिस्थिति में भारत को चीन के द्वारा लिए गए कदमों से सीख लेनी चाहिए। पहला यह कि अपने देश में थर्मल बिजली संयंत्रों और जल विद्युत परियोजनाओं द्वारा भारी मात्रा में प्रदूषण किया जा रहा है जिस पर रोक लगाने से हमारी अर्थव्यवस्था कुशल होगी।

भारत सरकार फिलहाल सस्ती बिजली के लिए प्रदूषण की छूट दे रही है जो कि अर्थव्यवस्था को डुबोएगा। फिर भी भारत सरकार ने वित्तीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सही कदम उठाए हैं। बड़ी संकटग्रस्त कमजोर कंपनियों को भारतीय बैंकों से लोन मिलना कम हो गए हैं और आने वाले समय में वित्तीय संकट भारत पर उत्पन्न नहीं होगा। लेकिन बिजली के क्षेत्र में भारत को चीन की तरह अपनी सर्जरी करनी होगी अन्यथा हम आने वाले समय में चीन से पिछड़ जाएंगे। चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था की सर्जरी की है। भारत को भी चाहिए कि वह अपनी सर्जरी करे। चीन से सबक लेने की जरूरत है। सस्ती बिजली के लिए प्रदूषण की छूट देना ठीक नहीं है। हालांकि आर्थिकी मजबूत करने को भारत ने कुछ सही कदम उठाए हैं।

प्राकृतिक प्रणालियों पर प्रहार करता जलवायु परिवर्तन

–डॉ.शंकर सुवन सिंह–

करोड़ों वर्ष पूर्व पश्थ्वी एक तपता(आग)हुआ गोला थी। जैसे जैसे समय बीतता गया तपते हुए गोले से सागर,महाद्वीपों आदि का निर्माण हुआ। पश्थ्वी पर अनुकूल जलवायु ने मानव जीवन तथा अन्य जीव सशष्टि को जीवन दिया जिससे इन सबका जीवन–अस्तित्व कायम रखने वाली प्रकृति का निर्माण हुआ। मानव प्रकृति का हिस्सा है। प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है – प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सशष्टि। प्रकृति से सशष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति दो प्रकार की होती है– प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व– पश्थ्वी,जल,अग्नि,वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। प्रकृति की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह अपनी चीजों का उपभोग स्वयं नहीं करती। जैसे–नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती,पेड़ अपने फल खुद नहीं खाते,फूल अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैला देते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि प्रकृति किसी के साथ भेदभाव या पक्षपात नहीं करती,लेकिन मनुष्य जब प्रकृति से अनावश्यक खिलवाड़ करता है तब उसे गुस्सा आता है। जिसे वह समय–समय पर सूखा, बाढ़,सैलाब,तूफान के रूप में व्यक्त करते हुए मनुष्य को सचेत करती है।

जल,जंगल और जमीन विकास के पर्याय हैं। जल,जंगल और जमीन जब तक है तब तक मानव का विकास होता रहेगा। मानव जो छोड़ते हैं उसको पेड़–पौधे लेते हैं और जो पेड़–पौध छोड़ते हैं उसको मानव लेते हैं। जल,जंगल और जमीन से ही जीवन है। जीवन ही नहीं रहेगा तो विकास अर्थात बिजली,सड़क,आदि किसी काम के नहीं रहेंगे। जल,जंगल और जमीन को संरक्षित करने लिए मन का शुद्ध होना बहुत जरुरी है। मन आतंरिक पर्यावरण का हिस्सा है। जल,जंगल और जमीन वाह्य (बाहरी) पर्यावरण का हिस्सा है। हर धर्म ने माना प्राकृतिक विनाश से विकास संभव नहीं है। जलवायु पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है,क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति,मिट्टी,जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालती है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करती है। विश्व में जलवायु परिवर्तन चिंता का विषय बना हुआ हैद्य शहरों का भौतिक विकास जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण है। जल प्रदूषण,वायु प्रदूषण,भूमि प्रदूषण,औद्योगिक प्रदूषण,विकिरण प्रदूषण रूपी दैत्यों ने पृथ्वी की जलवायु को पूर्णतः बदल दिया है। दीपावली के त्यौहार में पटाखों का खूब जम कर इस्तेमाल हुआ नतीजा वायु प्रदुषण। किसी भी त्यौहार का उल्लास मनाने में यदि हमारा वातावरण दूषित होता है तो इससे मानव प्रकृति और प्राकृतिक प्रकृति दोनों ही प्रभावित होती हैं। प्रकृति का पूरे मानव जाति के लिए एक सामान व्यवहार होता है। प्रकृति का सम्बन्धा धर्म विशेष से नहीं होता। अतएव सभी मानव जाति को प्रकृति को अपना मूल अस्तित्व समझना चाहिए द्य

शुद्ध पेय जल मानव जाती एवं जीव जंतु सभी के लिए एक आवश्यक तत्व है। सृष्टि जीवन के प्रारम्भ में जल निर्मल था,वायु स्वच्छ थी,भूमि शुद्ध थी एवं मनुष्य के विचार भी शुद्ध थे। हरी–भरी इस प्रकृति में सभी जीव–जन्तु तथा पेड़–पौधे बड़ी स्वच्छन्दता से पनपते थे। चारों दिशाओं मे "वसुधैव कुटुम्बकम" का वातावरण था तथा प्रकृति भली–भाँति पूर्णतः सन्तुलित थी। किन्तु जैसे–जैसे समय बीता,मानव ने विकास और अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उसने शुद्ध जल,शुद्ध वायु तथा अन्य नैसर्गिक संसाधनों का भरपूर उपभोग किया। मनुष्य की हर आवश्यकता का समाधान निसर्ग ने किया है, किन्तु बदले में मनुष्य ने प्रदूषण जैसी कभी भी खत्म न होने वाली समस्या पैदा कर दी है। वर्षा के जल को प्रकृति द्वारा एक नियत समय पर,नियत मात्रा में हम प्राप्त करते हैं। अतः इसका संरक्षण करना भी हमारे लिए अति आवश्यक प्रक्रिया होनी चाहिए। वर्ष 2019 में हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद मोदी जी ने देश भर के ग्राम प्रधानों एवं मुखिया को पत्र लिख के वर्षा जल संगृहीत करने की अपील की थी। यह पहला मौका था जब ग्राम प्रधानों को किसी प्रधानमंत्री ने जल संचयन के लिए पत्र लिखा था। संरक्षण के आभाव में वर्षा से प्राप्त जल बह जाता है या वाष्पित हो के उड़ जाता है। हमारे देश में वर्षा पर्याप्त मात्रा में होती है। फिर भी हम पानी का संकट झेलते हैं। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया के लगभग 1.4 अरब लोगों को शुद्ध–पेयजल उपलब्ध नहीं है। नीति आयोग द्वारा वर्ष 2019 में जारी समग्र जल प्रबंधंन सूचकांक (सी डब्लू एम् आई) रिपोर्ट के अनुसार देश में 60 करोड़ लोग पानी की गंभीर किल्लत का सामना कर रहे हैं। करीब दो लाख लोग स्वच्छ पानी ना मिल पाने के वजह से हर साल जान गवां देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2030 ई. तक देश में पानी की मांग,उपलब्धा जल वितरण की दुगनी हो जाएगी। जिसका मतलब है की करोंड़ो लोगो में पानी का गंभीर संकट पैदा हो जायेगा और देश में जीडीपी में 6 प्रतिशत की कमी देखी जाएगी। स्वंतंत्र संस्थाओ द्वारा जुटाए गए डाटा का उद्धरण देते हुए रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुड़वत्ता सूचकांक में 122 देशो में 120 नंबर पर है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों की भौगोलिक स्थितियां अलग हैं। वर्षा काल में जहां भारत के एक हिस्से में बाढ़ के हालात होते हैं वहीं दूसरे हिस्से में भयंकर सूखा की स्थिति होती है। कई क्षेत्रों में मूसलाधार वर्षा होने के बावजूद लोग एक – एक बूँद पानी के लिए तरसते हैं। कई स्थानों में तो संघर्ष की स्थिति हो जाती है। इसका प्रमुख कारण है वर्षा के जल का सही प्रकार से संचयन न करना। जिससे पानी बह कर प्रदूषित हो जाता है। प्रकृति के संसाधनों को लेकर हम यह सोचते हैं की यह कभी खत्म नहीं होगा। जिससे जल भण्डारण धीरे धीरे खत्म होने की कगार पर है। इसलिए यह आवश्यक हो गया है की हम जितना पानी प्रकृति से जल भण्डारण के रूप में लेते हैं उतना उसको वापस भी करें। विश्व में प्रत्येक वर्ष के 10 नवंबर को विश्व विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस बार विश्व विज्ञान दिवस 2021 की थीम/प्रसंग है – जलवायु के लिए तैयार समुदायों का निर्माण (बिल्डिंग क्लाइमेट– रेडी कम्युनिटीज)। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य शांतिपूर्ण और टिकाऊ समाज के लिए विज्ञान की भूमिका के बारे में जन जागरूकता को मजबूत करना है। विश्व विज्ञान दिवस पर यूनेस्को कलिंग अवार्ड भी दिया जाता है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में विज्ञान की अहम् भूमिका होती है। अतएव समाज को विज्ञान से जोड़ने और समाज को विज्ञान के करीब लाने की आवश्यकता है। जलवायु विज्ञान के बारे में समुदायों को जागरूक होना होगा। जलवायु किसी स्थान के वातावरण की दशा को व्यक्त करने के लिये प्रयोग किया जाता है। यह शब्द मौसम के काफी करीब है। जलवायु और मौसम में कुछ अन्तर है। जलवायु बड़े भूखंडो के लिये बड़े कालखंड के लिये ही प्रयुक्त होता है जबकि मौसम अपेक्षाकृत छोटे कालखंड के लिये छोटे स्थान के लिये प्रयुक्त होता है। पूर्व में पृथ्वी के तापमान के बारे में अनुमान बताते हैं कि यह या तो बहुत अधिक था या फिर बहुत कम। मुख्य रूप से,सूर्य से प्राप्त ऊर्जा तथा उसका हास् के बीच का संतुलन ही हमारे पृथ्वी की जलवायु का निर्धारण और तापमान संतुलन निर्धारित करती हैं। यह ऊर्जा हवाओं,समुद्र धाराओं और अन्य तंत्र द्वारा विश्व भर में वितरित हो जाती हैं तथा अलग–अलग क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती है।जलवायु पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति, मिट्टी, जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालती है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करती है। पृथ्वी का वातावरण सूर्य की कुछ ऊर्जा को ग्रहण करता है,उसे ग्रीन हाउस इफेक्ट कहते हैं। पृथ्वी के चारों ओर ग्रीन हाउस गैसों की एक परत होती है। इन गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड शामिल हैं। ये गैसें सूर्य की ऊर्जा का शोषण करके पृथ्वी की सतह को गर्म कर देती है इससे पृथ्वी की जलवायु परिवर्तन हो रहा है। गर्मी की ऋतु लम्बी अवधि की और सर्दी की ऋतु छोटी अवधि की होती जा रही है। ग्रीन हाउस गैस के लगातार वृद्धि से भी ओजोन मात्रा घटती है। ग्रीन हाउस गैस प्रजनन के लिए उत्तरदायी स्रोत – लकड़ी के दहन से कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन,पशु,मानव–विष्टा एवं जैव सड़ाव से मीथेन उत्सर्जन और हाइड्रोकार्बन एवं नाइट्रोजन के ऑक्साइड के प्रभाव में ट्रोपोस्फियर के भीतर मीथेन गैस का निर्माण। लम्बी तरंग धैर्य विकिरण का कुछ भाग वायुमंडल के ऊपरी ठन्डे भाग में उपस्थित ट्रेस गैसों द्वारा अवशोषित हो जाता है। इन्ही ट्रेस गैसों को ग्रीन हाउस गैस कहते हैं। पृथ्वी की प्राकृतिक जलवायु निरन्तर बदलती रही है। ग्रीन हाउस प्रभाव के द्वारा पृथ्वी की सतह गर्म हो रही है। ग्रीन हाउस प्रभाव – सूर्य की किरणें, कुछ गैसों और वायुमण्डल में उपस्थित कुछ कणों से मिलकर होने की जटिल प्रक्रिया है। कुछ सूर्य की ऊष्मा वायुमण्डल से परावर्तित होकर बाहर चली जाती हैं। लेकिन कुछ ग्रीन हाउस गैसों के द्वारा बनाई हुई परत के कारण बाहर नहीं जाती है। अतः पृथ्वी का निम्न वायुमंडल गर्म हो जाता है। ग्रीन हाउस प्रभाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है तथा यह जीवन को प्रभावित करती है। पर्यावरण में बढ़ी हुई ऑक्सीजन,ओजोन परत को मोटी रखने में सहायक होती है। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि ओजोन परत और ऑक्सीजन दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। अतएव जल जंगल और जमीन तीनो को ध्यान में रख कर पृथ्वी का विकास करना चाहिए। ओजोन की मोटी परत सभी हानिकारक तत्वों को पृथ्वी पर आने से रोकती हैं। विश्व विज्ञान दिवस–2021 में हम सभी को ग्रीन हाउस गैसों के निष्कासन में कमी की आवश्यकता पर ध्यान देना होगा। ग्रीन हाउस गैसों के निष्कासन में कमी करना कठिन है परन्तु असंभव नहीं है। कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य जिनके द्वारा इसके निष्कासन को कम किया जा सकता है,वो इस प्रकार है– खपत तथा उत्पादन में ऊर्जीय क्षमता की बढ़त होनी चाहिए।,वाहनों में पूर्ण रूप से ईंधन का दहन होना चाहिए जो की ठीक रख–रखाव से संभव है।,नई स्वचलित वाहन तकनीक पर जोर देने की आवश्यकता है।,ऊर्जा के नए स्रोतों का प्रयोग करना चहिए जैसे–सौर ऊर्जा, जल विद्युत ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा इत्यादि।,उद्योगों से निकलने वाले जहरीले पदार्थों के निष्कासन को कम करन चाहिए।,हैलोकार्बन के उत्पादन को कम करना चाहिए जैसे– फ्रिज,एयरकन्डीशन,में पुनः चक्रीय रसायनों का प्रयोग करना चाहिए।,ईंधन वाले वाहनों का प्रयोग कम करना चाहिए।,वनीकरण को बढ़ावा देना चाहिए तथा जंगलों को कटने से रोकना चाहिए।, समुद्रीय शैवाल बढ़ाना चाहिए ताकि प्रकाश संश्लेषण के द्वारा कार्बन डाइआक्साइड का प्रयोग किया जा सके। ये सारे तथ्य पर्यावरण संरक्षण में सहायक साबित होते हैं। इन तथ्यों को अपनाकर ग्रीन हाउस प्रभाव को कम करके उसके द्वारा उत्पन्न जटिल समस्याओं को रोका जा सकता है। जिससे पर्यावरण बचाव मुख्य रूप से ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से निपटा जा सकता है,ताकि एक बेहतर भविष्य बने। पृथ्वी को ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव से बचाना होगा तभी हमारी पृथ्वी स्वस्थ्य और निर्भीक बनेगी। अतएव हम कह सकते हैं कि जलवायु विज्ञान की जागरूकता,जलवायु परिवर्तन की मार से बचा सकती है।

आसियान का संदेश

–सिद्धार्थ शंकर–

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन आसियान का 39वां शिखर सम्मेलन सदस्य देश म्यांमा की गैर–मौजूदगी में संपन्न हो गया। ऐसा नहीं कि म्यांमार इसमें शिरकत नहीं करना चाहता था, पर आसियान संगठन ने ही उसे सम्मेलन से दूर रखा। म्यांमार के सैन्य शासक मिन आंग लेंग के लिए यह एक बड़ा झटका है। म्यांमार को आसियान का यह संदेश है कि लोकतंत्र के बिना क्षेत्रीय सहयोग संभव नहीं है। हालांकि म्यांमार को लेकर आसियान सदस्य देशों में भी एक राय नहीं है, लेकिन लोकतांत्रिक प्रभाव वाले सदस्य देशों ने म्यांमार के सैन्य शासन को साफ संकेत दे दिया है कि जब तक वह लोकतंत्र बहाली के लिए कदम नहीं उठाता, तब तक उसे ऐसा बहिष्कार झेलना पड़ सकता है। इस बार आसियान की सालाना बैठक इस लिहाज से ज्यादा महत्वपूर्ण रही कि बैठक को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी संबोधित किया। उन्होंने भाषण में चीन व म्यांमार की नीतियों को लेकर चिंता जताई। आसियान के उन सदस्य देशों जहां लोकतंत्र खासा मजबूत है, ने म्यांमार के सैन्य शासन के प्रति खुल कर अपनी नाराजगी जताई। क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं उनके यहां भी इस तरह तानाशाही की प्रवृति न उभरने लगे। आसियान के सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपीन और सिंगापुर पूर्ण लोकतांत्रिक देश हैं जहां सरकारें चुनी जाती हैं। सेना पूर्णरूप से निर्वाचित सरकार के अधीन काम करती है। इसलिए इन्हीं चार देशों ने म्यांमा के सैन्य शासन को लेकर ज्यादा नाराजगी दिखाई और उस पर लोकतंत्र बहाली के लिए दबाव बना रखा है। पर म्यांमार के सैन्य शासक इन देशों की अपील की अनदेखी ही कर रहे हैं। दरअसल आसियान के सदस्य देश और म्यांमा के पड़ोसी थाईलैंड का रवैया म्यांमार को लेकर स्पष्ट नहीं है। थाईलैंड में भी लोकतंत्र पर सेना हावी है। यहां भी सेना द्वारा तख्तापलट का इतिहास रहा है। 2014 में थाईलैंड में सेना ने तख्तापलट दिया था। फिर 2016 में थाईलैंड की सेना ने सहूलियत के हिसाब से नया संविधान बनाया, जिसमें देश पर सेना की पकड़ को और मजबूत कर दिया गया। हालांकि आसियान जैसे क्षेत्रीय संगठन के स्थापित सिद्धांत में स्पष्ट किया गया है कि इसके सदस्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। यही कारण है कि आसियान के सदस्य देश इस बात को लेकर अभी तक एक राय नहीं बना पाए हैं कि अगर किसी सदस्य देश की सीमा में घटी किसी राजनीतिक घटना या सत्ता परिवर्तन से क्षेत्रीय शांति प्रभावित होती हो तो उससे कैसे निपटा जाए। कुछ सदस्य देश म्यांमार के प्रति सख्त हैं, तो कुछ का रवैया नरम है। लंबे समय बाद म्यांमार में लोकतंत्र बहाली और लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की सत्ता वापसी से लोकतंत्र मजबूत होने के संकेत मिलने लगे थे। पर लोकतांत्रिक सरकार सेना के दखल से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई थी। महत्वपूर्ण मंत्रालय सेना के पास ही थे। सेना शासन पर पूरा नियंत्रण हासिल करने की कोशिश में थी और अंततः सेना तख्तापलट से ऐसा करने में कामयाब हो गई। इस घटना से पड़ोसी देशों का प्रभावित होना स्वाभाविक था। म्यांमार में जब लोकतंत्र था तब भी सेना बेलगाम थी। तख्तापलट के बाद देश के रखाइन प्रांत में अल्पसंख्यक रोहिंग्या मुसलमानों का दमन हुआ। इस प्रांत के संसाधनों और भूमि पर सेना की कंपनियों और इसके साथ कारोबार करने वाली विदेशी कंपनियों की नजर थी। रोहिंग्या मुसलमानों के दमन का असर यह हुआ कि लाखों रोहिंग्या मुसलमानों को बांग्लादेश, भारत, नेपाल, थाईलैंड में शरण लेने को मजबूर होना पड़ा। रोहिंग्या शरणार्थियों से सबसे ज्यादा प्रभावित बांग्लादेश है। इस समय वहां नौ लाख रोहिंग्या शरणार्थी हैं। इसका असर बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर भी पडने लगा है। थाईलैंड में एक लाख से ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थी हैं। भारत, इंडोनेशिया, नेपाल जैसे देशों में रोहिंग्या शरणार्थियों ने शरण ली।

सशस्त्र सेना दिवस पर आयोजित सैन्य परेड में चीन, रूस, पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम, लाओस और थाईलैंड के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। ऐसे में यह माना जा सकता है कि भारत का यह कदम रणनीतिक हो। लेकिन इस कार्यक्रम में वियतनाम, लाओस और थाईलैंड के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। ये सारे आसियान के सदस्य देश हैं। बांग्लादेश जो रोहिंग्या लोगों के बोझ से परेशान है, उसने भी रणनीति के तहत म्यांमार के सैन्य शासकों के प्रति नरम रुख अपना रखा है। भारत और बांग्लादेश की म्यांमार संबंधी कूटनीति में चीन शामिल है।

वेटलैंड माफिया के खिलाफ जंग के सूत्रधार

–राजेंद्र राजन–

मैं जब–जब पौंग बांध क्षेत्र में गया हूं यहां नित नई कहानियों की परतें खुलती चली गई हैं। करीब 50 साल पहले विस्थापन के जिस दर्द को यहां के हजारों परिवारों ने झेला है, उसके बेहिसाब शेड्स हैं। ऐसी ही एक कहानी के किरदार ने मुझे विचलित किया जो गत एक दशक से देसी व विदेशी परिंदों, जीव–जंतुओं, जैव विविधता आदि को बचाए रखने की जंग से जूझ रहा है। मिलखी राम शर्मा 2012 में सरकारी सेवा से रिटायर हुए थे। लेकिन इस शख्स ने पौंग डैम क्षेत्र में जिन ज्वलंत मुद्दों को कामयाब तरीके से चर्चा के केंद्र में लाने का प्रयास किया है, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है। व्यवस्था, प्रशासन, वन विभाग, राजनेताओं से टकराने और मर–मिटने के लिए आमादा मिलखी राम की ऊर्जा व जुनून देखते ही बनते हैं। आखिर क्या है इस नायक को कहानी? 1972 में हिमाचल सरकार ने वाइल्ड लाइफ प्रोटैक्शन एक्ट बनाया था जिसके तहत 1983 में समूचे पौंग बांध क्षेत्र को वाइल्ड लाइफ बर्ड सेंक्चुरी घोषित किया गया था और 1994 में भारत सरकार ने इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का वेटलैंड घोषित किया था। तब से देश–विदेश के पर्यावरण प्रेमियों का ध्यान पौंग डैम क्षेत्र की ओर आकर्षित होने लगा था। यहां साइबेरिया से आने वाले व स्थानीय पक्षियों की 240 से अधिक प्रजातियां हैं। 27 प्रकार की मछलियां हैं, तो 450 प्रजातियां पेड़–पौधों की हैं। लेकिन गत 40 सालों में बायो डाइवर्सिटी को तहस–नहस करने की नामुराद कोशिशों की असंख्य कहानियां भी यहां मौजूद हैं। कोरोना काल में ही 2020 में करीब 3 हजार से ज्यादा विदेशी व देसी पक्षियों का शिकार किया गया। जब मामला मीडिया की सुर्खियां बना तो वाइल्ड लाइफ विभाग ने इसे कथित तौर पर बर्ड फ्लू से जोड़ दिया और शिकारियों को बचने का साफ रास्ता दे दिया।

वेटलैंड माफिया व परिंदों की हत्या में संलिप्त लोगों ने तरीका यह अपनाया कि गेहूं में जहर मिलाकर उन खेतों या जमीन पर फैंके ताकि उन्हें पक्षी खाकर तड़प–तड़प कर मर जाएं। पक्षियों को मारने की यह विधा कई सालों से चल रही है, लेकिन बीबीएमबी, वन विभाग, पुलिस व प्रशासन आंख मूंदे रहते हैं। व्यवस्था की इसी चुप्पी को तोड़ने और माफिया के खिलाफ जंग छेड़ने का काम मिलखी राम शर्मा कर रहे हैं। पल्ली गांव में जब मेरी उनसे भेंट हुई तो वो फाइलों का पुलिंदा उठा लाए और बताया कि वो किस प्रकार 2017 से 2019 के मध्य वेटलैंड माफिया के विरुद्ध लड़ाई में कामयाब हुए। वन विभाग को बार–बार जगाने हमीरपुर के वाइल्ड लाइफ के डीएफओ ने धमेटा व नगरोटा सूरियां में अपने मातहत अधिकारों को 11 जुलाई 2017 को पत्र लिखकर निर्देश दिए थे कि वेटलैंड में गुज्जरों की आमदो–रफत बंद की जाए। कारण, भैंसों, घोड़ों, बकरियों के खुरों से पक्षियों के अंडे तबाह हो जाते हैं। दूसरे, जमीन के नरम होने से सिल्ट पानी में पहुंच कर डैम की पानी भंडारण क्षमता को लगातार कम कर रही है। डीएफओ के पत्र में कहा गया था कि अप्रैल से जुलाई के मध्य 12,000 से अधिक पशुओं को लेकर गुज्जर यहां प्रवास पर आते हैं। वे यहां के लोगों की निजी जमीन पर डेरे बनाकर रहते हैं और पशुओं को वेटलैंड में चरने के लिए छोड़ देते हैं। 8–12 परिवारों का एक डेरा होता है और उनके पशुओं की संख्या 600 तक रहती है। प्रत्येक परिवार पशुओं के दूध, घी आदि से लाखों की कमाई करते हैं जिसका हिस्सा इन्हें पनाह देने वाले माफिया को पहुंचता है। निजी भूमि वाले इन डेरों का किराया वसूलते हैं।

गुज्जर परिवार खुले में शौच करते हैं और समस्त वेटलैंड को गंदा करते हैं जो 207.59 किलोमीटर के क्षेत्रफल में डैम के घेरे से बाहर फैला हुआ है। मिलखी राम के दखल व संघर्ष से गुज्जरों के प्रवास पर प्रतिबंध लगा। एक और जंग थी करीब 80 किलोमीटर क्षेत्रफल में तथाकथित माफिया किसानों द्वारा बीबीएमबी की जमीन पर गेहूं की बिजाई। इसके लिए पंजाब तक से यहां ट्रैक्टर पहुंचते थे। यहां नाजायज खेती की जा रही थी। खाद और कीटनाशक पानी को जहरीला बना रहे थे। टैक्टरों से खोदी गई जमीन की मिट्टी भी डैम के पानी में जा रही थी जिससे वहां गाद इकट्ठी हो रही थी। ट्रैक्टरों और कार्बाइन हॉरवैस्टर की वजह से पक्षियों के अंडे रौंद दिए जाते थे और अन्य जीव जंतुओं की भी लगातार हत्या हो रही थी। यह सिलसिला कई सालों से जारी था। हिमाचल के वाइल्ड लाइफ एक्ट के सैक्शन 33 के मुताबिक पौंग वेटलैंड में किसी भी प्रकार की कृषि गतिविधि पर पूर्ण प्रतिबंध है। सितंबर 2020 में विधानसभा में एक प्रश्न के उत्तर में सरकार ने स्पष्ट किया था कि पौंग डैम को सेंक्चुरी क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कृषि संबंधी गतिविधि को स्वीकृति नहीं दी जा सकती। 13 जनवरी 2017 को बीबीएमबी के एसडीओ ने वेटलैंड क्षेत्र के सभी पंचायत प्रधानों को पत्र लिखकर चिंता प्रकट की थी कि अधिग्रहित जमीन यानी डैम एरिया में नाजायज ढंग से खेती की जा रही है और सभी प्रधान इसे तुरंत बंद करवाएं। फसलों पर जहरीले स्प्रे से मछलियां भी मर रही हैं। अतः पौंग वेटलैंड जैसे राष्ट्रीय संपदा का संरक्षण अति आवश्यक है। 2018 से 2019 तक दो साल तक वेटलैंड भूमि पर गेहूं की बिजाई पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। यानी पौंग डैम में विस्थापन का मुद्दा नेपथ्य में धकेला जा चुका है और सत्ता प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की 'रामसर साइट' यानी पौंग वेटलैंड में वाइल्ड लाइफ बर्ड सेंक्चुरी के कानूनों के सभी प्रावधानों का धड़ल्ले से उल्लंघन हो रहा है। मिलखी राम शर्मा पीपुल फार एनवायरनमेंट के समन्वयक हैं और पौंग लेक बायो डाइवर्सिटी कंजरवेशन सोसायटी के सदस्य भी हैं। उनके साथ इस क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग जुड़े हुए हैं। अपने 9 जनवरी 2019 व 26 दिसंबर 2020 के पत्रों में मिलखी राम ने शिमला स्थित वाइल्ड लाइफ के पीसीएफ को बार–बार वन्य जीव संरक्षण कानूनों के उल्लंघन के लिए तथ्यों के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करने का आग्रह किया है, लेकिन ये सद्प्रयास सफल नहीं हो पा रहे हैं। इस माफिया पर नकेल कसनी होगी।

रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी आप डाकघर से भी मिलेगा रेल टिकट गोंडा से गुजरती है 42 जोड़ी ट्रेनें

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। गोण्डा रेल यात्रियों के लिए खुशखबरी अगर आप ट्रेन से यात्रा करने जा रहे हैं तो अब टिकट के लिए आपको रेलवे स्टेशन पर लाइन नहीं लगानी पड़ेगी। अब डाकघरों से भी रेलवे का टिकट लिया जा सकेगा। जी हां इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्मि कारपोरेशन से गोंडा व बलरामपुर के सभी डाकघरों व उप डाकघरों को जोड़ दिया गया है। इस सुविधा से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। लगभग हर दिन गोंडा जंक्शन से 42 जोड़ी ट्रेनें गुजरती हैं। वहीं, यह सुविधा करीब 482 डाकघरों पर शुरू की गई है। वैसे डाक विभाग डाकघरों को हाईटेक बना रहा है। पहले से ही आधार कार्ड व पासपोर्ट से लेकर अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। अब इसमें एक और सुविधा बढ़ाई गई है। गोंडा व बलरामपुर में कुल 482 शाखा डाकघर हैं। इन डाकघरों में अब रेलवे का टिकट मिल सकेगा। कर्मियों को मिला प्रशिक्षण रेलवे टिकट के लिए डाककर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। संबंधित कर्मियों को यूजर पासवर्ड उपलब्ध करा दिए गए हैं। इस व्यवस्था से दूर दराज इलाकों में रह रहे लोगों को रेलवे का टिकट लेने के लिए आरक्षण केंद्र का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा। दरअसल गोरखपुर व लखनऊ के बीच में स्थित गोंडा जंक्शन से 42 जोड़ी ट्रेनें गुजरती हैं। प्रतिदिन करीब 5 हजार से अधिक यात्रियों का आवागमन होता है। ऐसे में यह व्यवस्था काफी कारगर साबित होगी।

फर्जी तरीके से मंत्री व मंत्री का पी0आर0ओ0 बनकर कॉल कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाले आरोपी के विरूद्ध दर्ज हुआ मुकदमा:–

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। दिनांक 13.07.2021 को थाना वजीरगंज में पंजीकृत मु0अ0सं0– 231/21, धारा 323,504,325 भादवि जिसकी विवेचना उ0नि0 भानु प्रताप सिंह द्वारा की जा रही थी। जिसमें अज्ञात व्यक्ति द्वारा विवेचक/उ0नि0 भानु प्रताप सिंह को उक्त मुकदमें में आरोपित अभियुक्तों का नाम निकालने हेतु फर्जी तरीके से मंत्री व मंत्री का पी0आर0ओ0 बनकर दबाव बनाया जा रहा था तथा उच्चाधिकारियों से मिथ्या आरोप लगाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित भी कर रहा था। जिसके सम्बन्ध में उ0नि0 भानु प्रताप सिंह द्वारा दिनांक 07.11.2021 को थाना को0 नगर में मु0अ0सं0–813/21, धारा 419,420 भादवि का अभियोग पंजीकृत कराया गया है। प्रकरण का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने प्र0नि0 को0 नगर व एस0ओ0जी0/सर्विलांस टीम को फर्जी तरीके से कॉल करने वाले अज्ञात व्यक्ति का पता लगाकर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया था। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना को0 नगर व एस0ओ0जी0/सर्विलांस टीम द्वारा की गयी सुरागरसी–पतारसी व इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों के आधार पर इस तरह का कृत्य करने में एक बाल अपचारी का नाम प्रकाश में आया है। जिसके विरूद्ध किशोर न्याय बोर्ड को रिपोर्ट प्रेषित की जा रही है। विवेचनात्मक कार्यवाही प्रचलित है।

छठ पूजा का दूसरा दिन जाने खरना पूजा का सही तरीका.. पंडित अशोक कुमार मिश्रा

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष के चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक छठ महाव्रत मनाया जाता है। इसमें भगवान सूर्यदेव की पूजा होती है। इस बार छठ पूजा 11 नवंबर, 2021 को है। छठ व्रत खासतौर पर पुत्र प्राप्ति के लिए किया जाता है। छठ पर छठी मैया के जयकारे के साथ आराधना की जाती है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश राज्यों में यह प्रमुख तौर पर मनाया जाता है...

छठ व्रत कथा

दिवाली के 6 दिन बाद छठ मनाया जाता है। छठ के महाव्रत को करना अत्यंत पुण्यदायक है। छठ व्रत सबसे महत्त्वपूर्ण रात्रि कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को होता है। सूर्योपासना का यह महापर्व चार दिनों तक मनाया जाता है। छठ पर्व के लिए कई कथाएं प्रचलित हैं, किन्तु पौराणिक शास्त्रों में इसे देवी द्रोपदी से जौड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि जब पांडव जुए में अपना सारा राजपाट हार गए, तब द्रौपदी ने छठ का व्रत रखा था। द्रोपदी के व्रत के फल से पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया था। इसी तरह छठ का व्रत करने से लोगों के घरों में समृद्धि और सुख आता है। छठ मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश सहित कई क्षेत्रों में छठ का महत्व है। छठ पूजा या सूर्य षष्ठी या छठ व्रत में सूर्य भगवान की पूजा होती है और धरती पर लोगों के सुखी जीवन के लिए सूर्य देव के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। सूर्य देव को ऊर्जा और जीवन शक्ति का देवता माना जाता है। इसलिए छठ पर्व पर समृद्धि के लिए पूजा की जाती है। सूर्य की पूजा से विभिन्न बीमारियों का इलाज संभव है। सूर्य पूजा के साथ स्नान किया जाता है। इससे कुष्ठ रोग जैसी गंभीर रोग भी दूर हो जाते हैं। छठ पर्व परिवार के सदस्यों और मित्रों की लंबी उम्र और समृद्धि के लिए भी मनाया जाता है।

छठ व्रत पूजा विधि

छठ देवी भगवान सूर्यदेव की बहन हैं। जिनकी पूजा के लिए छठ मनाया जाता है। छठी मैया को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की आराधना की जाती है। छठी मैया का ध्यान करते हुए लोग मां गंगा–यमुना या किसी नदी के किनारे इस पूजा को मनाते हैं। इसमें सूर्य की पूजा अनिवार्य है साथ ही किसी नदी में स्नान करना भी। इस पर्व में पहले दिन घर की साफ सफाई की जाती है। छठ पर्व पर गांवों में अधिक सफाई देखने को मिलती है। छठ के चार दिनों तक शुद्ध शाकाहारी भोजन किया जाता है, दूसरे दिन खरना का कार्यक्रम होता है, तीसरे दिन भगवान सूर्य को संध्या अर्घ्य दिया जाता है और चौथे दिन भक्त उदियमान सूर्य को उषा अर्घ्य देते हैं। छठ के दिन अगर कोई व्यक्ति व्रत को करता है तो वह अत्यंत शुभ और मंगलकारी होता है। पूरे भक्तिभाव और विधि विधान से छठ व्रत करने वाला व्यक्ति सुखी और साधनसंपन्न होता है। साथ ही निःसंतानों को संतान प्राप्ति होती है।

छठ अनुष्ठान विधि

छठ के दिन सूर्योदय में उठना चाहिए। व्यक्ति को अपने घर के पास एक झील, तालाब या नदी में स्नान करना चाहिए। स्नान करने के बाद नदी के किनारे खड़े होकर सूर्योदय के समय सूर्य देवता को नमन करें और विधिवत पूजा करें। शुद्ध घी का दीपक जलाएं और सूर्य को धुप और फूल अर्पण करें। छठ पूजा में सात प्रकार के फूल, चावल, चंदन, तिल आदि से युक्त जल को सूर्य को अर्पण करें। सर झुका कर प्रार्थना करते हुए घृणिं सूर्याय नमः, घृणिं सूर्यरू आदित्यरू,, ह्रीं ह्रीं सूर्याय, सहस्त्रकिरणाय मनोवांछित फलं देहि देहि स्वाहा, या फिर सूर्याय नमः 108 बार बोलें। अपनी सामर्थ्य के अनुसार ब्राह्मणों और गरीबों को भोजन कराएं। गरीब लोगों को कपड़े, भोजन, अनाज आदि का दान करना चाहिए।

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने कैराना पलायन का चला नया दांव

लखनऊ, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने पश्चिमी यूपी में समीकरण ठीक करने के लिए कैराना पलायन का मुद्दा उछाल का बड़ा दांव चलने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पार्टी के अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह पलायन के बाद वापस लौटे परिवारों के सदस्यों से मुलाकात की और उनका दर्द जाना। यह मुद्दा पिछले चुनावों में भाजपा के लिए समीकरण बदलने में काफी सहायक बना था। मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार के एजेंडे को धार देने के लिए यह दांव खेला है। सुढ़ कानून व्यवस्था का भरोसा देने के लिए उन्होंने लोगों को आश्वस्त भी किया। भाजपा ने मुख्यमंत्री के इस दौरे के जरिये एक तरह से पूरे पश्चिमी यूपी के लोगों को सुरक्षा और सम्मान के सवाल पर निश्चिंत रहने का संदेश देने का प्रयास किया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के समीकरण और वहां के मुद्दों को देखते हुए मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष का यह दौरा संक्षिप्त होते हुए भी सियासी समीकरणों को विस्तार देने वाला है। साथ ही पलायन के बाद हुए नुकसान की भरपाई की बात करके उन्होंने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। योगी ने कहा कि पिछली सपा सरकार के कार्यकाल में जिन परिवारों को नुकसान पहुंचाया गया था, उनके परिवार के सदस्यों की निर्मम हत्या हुई थी, मैंने प्रशासन से इसकी रिपोर्ट मांगी है। उसमें से बहुत से दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। सरकार पीड़ितों को कुछ मुआवजा भी देगी जिससे वे लोग फिर से अपने व्यवसाय तथा अन्य आर्थिक गतिविधियों को बढ़ा सकें। भाजपा के एक नेता ने बताया, 2016 में यह मुद्दा भाजपा के नेता हुकुम सिंह ने हिन्दुओं के पलायन का मुद्दा उठाया था। इस मुद्दे भाजपा ने 2017 के चुनाव में खूब भुनाया था। खासकर इसे धार देने में योगी ने अपनी ताकत लगाई थी, जिसके परिणाम भी अच्छे आए। एक बार 2022 में फिर एक बार यह मुद्दा छेड़कर उन्होंने अन्य अच्छी कानून व्यवस्था और सरकार के हर पीड़ित के साथ होने की बात का अहसास कराया है। 2017 में ध्रुवीकरण के माध्यम से भाजपा को पश्चिमी यूपी में काफी सफलता मिली थी। गौकशी, तुष्टीकरण, से लेकर कैराना के हिन्दुओं का मुद्दा भी चुनावी मंच से गूंजता था। सरकार आने पर योगी ने इस ओर कई कदम उठाए थे। जैसे कि अवैध बूचड़ खाने बंद कराना, एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन, पश्चिम में अपराधियों पर शिकंजा जैसे कदम काफी अहम थे। लेकिन बीते दिनों में कोरोना की दूसरी लहर और यहां चल रहे किसान आंदोलन में उपजे नकारात्मकता को इस मुद्दे को काट के रूप में भाजपा प्रस्तुत करना चाहती है।कई दशकों से यूपी की सियासत को कवर करने वाले पीएन द्विवेदी कहते हैं कि मुख्यमंत्री योगी का कैराना जाकर सुढ़ कानून व्यवस्था का संदेष देने का प्रयास किया है। कैराना में पलायन व रामपुर में भू–माफिया जैसे शब्दों के सहारे योगी ने जो दांव खेला है, विपक्ष को अब इन्हीं मुद्दों के इर्द–गिर्द भी घूमने की पूरी संभावना दिख रही है।

भगवान राम पर संजय निंाद की टिप्पणी के बाद संतों में नाराजगी

लखनऊ, (वेब वार्ता)। भाजपा को अल्टीमेटम जारी करने के एक दिन बाद, उसके सहयोगी निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने अब अयोध्या में भगवान राम पर अपनी टिप्पणी से संतों को नाराज कर दिया है। संजय निषाद ने दावा किया है कि भगवान राम एक महान संत श्रृंगी ऋषि के पुत्र थे। उन्होंने कहा, राजा दशरथ की कोई संतान नहीं थी और उन्होंने श्रृंगी ऋषि को एक यज्ञ करने के लिए कहा, जिसके बाद उनके पुत्रों का जन्म हुआ। यह कहा जाता है कि दशरथ ने अपनी तीन रानियों को विशेष रूप से तैयार खीर दी थी, जिसके बाद पुत्रों का जन्म हुआ, लेकिन सिर्फ खीर खाने से कोई गर्भवती नहीं होता है। संतों का दावा है कि उनकी ईशनिंदा टिप्पणी सस्ते प्रचार अर्जित करने के लिए एक चाल है और उन्होंने भाजपा से निषाद पार्टी के साथ अपना गठबंधन तुरंत समाप्त करने के लिए कहा है। राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा, संजय निषाद का बयान और भाषा बेहद आपत्तिजनक है। यह भगवान राम और उनके भक्तों का अपमान है। हनुमान गढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक निषाद को इस तरह की टिप्पणी करनी चाहिए। भगवान राम ने निषादों को पूरा सम्मान दिया जिन्होंने उन्हें नदी पार करने में मदद की, लेकिन आज एक निषाद नेता ने भगवान का अपमान किया है, हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। इस बीच, एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और भाजपा से भगवान राम पर संजय निषाद के बयान पर सफाई देने को कहा है।

जुवाड़ी में चल रहे रामलीला में राम विवाह प्रसंग पर दर्शक हुए भावविहोर

अवध की आवाज ब्यूरो

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। लोगों में वितरित हुए प्रसाद, विंध्य नगर स्थित जयनगर के जुवाड़ी में रामलीला का आयोजन विगत तीन–चार दिनों से धूमधाम तरीके से चल रहा है। जहां बीते दिवस राम लीला में राम सीता विवाह बहुत ही धूमधाम तरीके से आयोजित हुआ जहां काफी लोगों ने इस राम विवाह प्रसंग को देखने आए थे लोगों ने राम सीता विवाह का मनमोहक प्रसंग देखा और भाव विभोर हो गए बता दें कि रीवा जिला के हनुमाना के बराव से यह रामलीला मंडली यहां अपना आयोजन रामलीला का कर रही है जहां दूर–दूर से लोग रामलीला का लुत्फ उठाने पहुंच रहे हैं और सभी कलाकारों की दिल खोल प्रशंसा कर रहे हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष संतोष सिंह धर्मेंद्र सिंह प्रेम सागर मिश्रा अमित पांडे सुरेश शाह द्वारा रामलीला देखने आए सभी दर्शकों को प्रसाद वितरण किया जहां लोगों ने प्रसाद प्राप्त किये इस अवसर पर समिति अध्यक्ष संतोष सिंह धर्मेंद्र सिंह प्रेमसागर मिश्रा लालबहादुर तिवारी रामकिशोर दुबे काशीराम तिवारी परमात्मा प्रजापति रामनरेश तिवारी सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे सबसे बड़ी बात इस रामलीला को देखने आए दर्शक कोरोना गाइडलाइन का पालन करते देखे जा रहे और आयोजन समिति के लोग भी उन्हें इसका पालन कराने की सीख दे रहे।

प्रयागराज में भाजपा के स्थानीय नेता अजय शर्मा को अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी

प्रयागराज (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता अजय शर्मा को सोमवार रात अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। पुलिस ने बताया कि शर्मा को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत खतरे से बाहर है। सोरांव क्षेत्राधिकारी सुधीर कुमार ने बताया कि थाना फाफामऊ अंतर्गत लेहरा गांव में सोमवार रात कुछ अज्ञात हमलावरों ने भाजपा के स्थानीय नेता अजय शर्मा को गोली मार दी। अजय शर्मा प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि शर्मा शौच के लिए बाहर गए थे, तभी अज्ञात लोगों ने उन्हें गोली मार दी, जिसके बाद उनके परिजन उन्हें अस्पताल लेकर गए और पुलिस को इस घटना की सूचना दी। पुलिस को घटनास्थल से खाली कारतूस मिले हैं। पुलिस ने बताया कि अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार, शर्मा की हालत खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि पुलिस इस घटना की समग्र जांच कर रही है।

मेहनौन विधायक पर धमकाने का आरोप, जांच के लिए बनी समिति

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। दीपावली पर्व पर स्थगित संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सोमवार को जनपद की चारों तहसील मुख्यालयों पर हुआ। जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सदर में हुआ, जहां विधायक सदर प्रतीक भूषण सिंह की मौजूदगी में जिलाधिकारी मार्कंडेय शाही व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने जन सुनवाई की।,यहां सुनवाई के दौरान एक महिला ने मेहनौन विधायक विनय कुमार द्विवेदी पर धमकाने और घर बनाने से रोकने की शिकायत की। जिलाधिकारी ने मामले में कोतवाल नगर व तहसीलदार सदर को जांच के आदेश दिये हैं। आरोप है कि पहले विधायक ने भूमि महिला के हाथों बेचा था और अब निर्माण करने से रोक रहे हैं। यही नहीं जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मामले की जांच अब पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम करेगी। संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने उपस्थिति रजिस्टर चेक किया तो थानाध्यक्ष कोतवाली इटियाथोक, कोतवाली देहात, खरगूपुर, धानेपुर तथा थानाध्यक्ष कौड़िया बाजार गैर हाजिर मिले। डीएम ने गैर हाजिर सभी थाना प्रभारियों का एक दिन का वेतन काटने व कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश पुलिस अधीक्षक को दिए हैं। जन शिकायतों की सुनवाई में ग्राम छाछपारा निवासी जगन्नाथ व इटियाथोक निवासी जनार्दन ने विधायक व डीएम को बताया कि वह खतौनी बनवाने के लिए विगत काफी दिनों से तहसील के चक्कर लगा रहा है, उसकी खतौनी नहीं बन सकी। डीएम ने आधे घंटे के अंदर दोनों फरियादियों की खतौनी बनवा दी। विधायक सदर ने दोनों फरियादियों को खतौनी की नकल प्रदान की। एएसपी शिवराज, सिटी मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ता, एसडीएम सदर विनोद कुमार सिंह, सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम, तहसीलदार राजीव मोहन सक्सेना, डीपीआरओ, बीएसए, डीएसओ, डीआईओएस, जिला उद्यान अधिकारी आदि रहे। आयुक्त एसवीएस रंगाराव ने तहसील तरबगंज में चल रहे संपूर्ण समाधान दिवस का निरीक्षण किया। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित लोगों के राशन वितरण में अनियमितता, चक मार्ग, आबादी की जमीन तथा निजी भूमि पर हुए अवैध कब्जों से संबंधित समस्याओं की सुनवाई की।संबंधित अधिकारियों को उसके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उप पुलिस महानिरीक्षक उपेंद्र कुमार अग्रवाल ने कानून व शांति व्यवस्था के दृष्टिगत तत्परता के साथ निरोधात्मक कार्यवाही किए जाने के लिए उपस्थित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी शशांक त्रिपाठी ने लोगों की समस्याएं व शिकायतों की सुनवाई की। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी तरबगंज कुलदीप सिंह, खंड विकास अधिकारी तरबगंज आकाश सिंह तथा तहसीलदार तरबगंज पैगाम हैदर व पुलिस क्षेत्राधिकारी आदि रहे।

प्रयागराज में भाजपा के स्थानीय नेता अजय शर्मा को अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी

प्रयागराज (वेब वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता अजय शर्मा को सोमवार रात अज्ञात लोगों ने गोली मार दी। पुलिस ने बताया कि शर्मा को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत खतरे से बाहर है। सोरांव क्षेत्राधिकारी सुधीर कुमार ने बताया कि थाना फाफामऊ अंतर्गत लेहरा गांव में सोमवार रात कुछ अज्ञात हमलावरों ने भाजपा के स्थानीय नेता अजय शर्मा की गोली मार दी। अजय शर्मा प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि शर्मा शौच के लिए बाहर गए थे, तभी अज्ञात लोगों ने उन्हें गोली मार दी, जिसके बाद उनके परिजन उन्हें अस्पताल लेकर गए और पुलिस को इस घटना की सूचना दी। पुलिस को घटनास्थल से खाली कारतूस मिले हैं। पुलिस ने बताया कि अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार, शर्मा की हालत खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि पुलिस इस घटना की समग्र जांच कर रही है।

ट्रैक्टर मालिक की गिरफ्तारी के लिये किया गया रोड जाम करने का प्रयास

पीड़ित पिता को समझाते कोतवाल दिलेश सिंह

अवध की आवाज ब्यूरो

पिहानी,हरदोई। शाहपुर शुक्ल गांव के पास ट्रैक्टर ट्राली पलटने से हुई कुल्लही के दो युवकों की मौत के बाद परिजनो ने ट्रैक्टर मालिक पर जबरन बालू खनन के लिए ले जाने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग करते हुए रोड जाम करने का प्रयास किया। हालांकि इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए और ग्रामीणों को समझा बुझाकर जाम खुलवाया। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने परिजनो को न्याय का भरोसा दिलाते हुए बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है,शीघ्र ही गिरफ्तारी करने का आदेश दे दिया है। उन्होंने एसडीएम शाहाबाद से फोन पर वार्ता कराते हुए सरकार की ओर से मिलने वाली सहायता दिलाने की बात भी कही। पुलिस ने कुल्लही गांव निवासी रामदास की तहरीर पर गांव के ही शमशुल पूत्र असीत के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया। रामदास ने रिपोट दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि शमशुल का उसके पुत्र शत्रोहन पर पैसा बकाया था,इसी के कारण वह शमशुल व गांव के ही मानसिंह को जबरिया बालू के ट्रैक्टर पर काम करने के लिए ले गया। रामदास ने आरोप लगाया कि ट्रैक्टर शाहपुर शुक्ल गांव के पास पलट गया था जिसके नीचे दबकर दोनो की मौत हो गयी लेकिन शमशुल ने इसकी जानकारी नही दी। गांव में इस घटना को लेकर काफी रोष था,परिजन आरोपित की गिरफ्तारी के साथ ही मुआवजे की मांग पर अड़े थे। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह,भाजपा नेता सर्वेश जनसेवा,जिला पंचायत सदस्य दीन दयाल वर्मा,महेश्वर यादव आदि के काफी समझाने बुझाने के बाद लोग माने और दोपहर को दोनो का अंतिम संस्कार किया गया।अंतिम संस्कार के बाद गांव में कांस्टेबल रमापति दिवाकर,सुशील पटेल,गोविंद कुमार आदि पुलिस कर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर देखते हुए कोतवाल ने ड्यूटी पर लगा दिया।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी दिवंगत डॉ डीडी मिश्रा को पत्रकारों समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों ने दी श्रद्धांजलि

अवध की आवाज ब्यूरो

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। सबके दिलों पर राज करने वाले हमेशा सबके सुख दुख में शामिल रहने वाले मिलनसार हँसमुख रहे समाजसेवी ,हीरावती न्यूज़ टाइम्स संपादक, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सिंगरौली वाइस चेयरमैन डॉ डीडी मिश्रा जिनकी बीते 29 अक्टूबर को जबलपुर में एक सड़क हादसे के दौरान इलाजरत रहते मृत्यु हो गयी जहाँ उनका 28 सितंबर को रोड एक्सीडेंट हुआ था इसी कड़ी में दिवंगत श्री मिश्रा के पुण्यात्मा को शांति मिले हेतु एक श्रद्धांजलि व शोकसभा का आयोजन माजन स्थित सर्किट हाउस प्रांगण में हुआ जहां राजनैतिक पार्टियों ,समाजसेवी,जिला फुटबॉल एसोसिएशन, पत्रकारों व अन्य आम जनमानस ने भारी शंख्या में पहुंचकर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी ओर से सभी ने सच्ची भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और उनको इश्वर अपने चरणों मे जगह दे व परिवार को आत्मसम्बल प्रदान करे कि प्रार्थना की सभी आगंतुकों ने इस अवसर पर दो मिनट का मौन धारण किया व नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की।श्रद्धांजलि सभा के दौरान सिंगरौली विधायक रामलल्लू बैस्य ने कहा कि समाज के हर छेत्र से डॉ साब जुड़े थे उनकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता वहीं जिलाध्यक्ष भाजपा वीरेन्द्र गोयल ने भी श्री मिश्रा से जुड़ी यादों को साझा करते हुए कहा कि डॉक्टर साहब से उनके संबंध पिछले 24 साल से थे डॉक्टर साहब उनको हमेशा गवर्नर साहब के नाम से संबोधित किया करते थे लायंस क्लब में जब डॉक्टर साहब थे तब से उनके जुड़ाव रहे हैं वही कांग्रेस पार्टी से जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह चंदेल ने भी डॉक्टर साहब से जुड़ी यादों को साझा किया और उनके साथ हर 10 दिन में एक बार बैठक होती थी का जिक्र किया तो कामरेड से संजय नामदेव ने भी डॉक्टर साहब को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया जिला सत्र न्यायालय के बार एसोसिएशन पूर्व सचिव रहे अधिवक्ता राजकुमार दुबे ने भी उनके साथ बिताए पलों को याद करते हुए सभी की मौजूदगी में डॉक्टर साहब की याद में किसी चौराहे पर उनकी प्रतिमा स्थापित करने की मांग करते हुए उनके नाम से एक मार्ग भी हो का प्रस्ताव दीया जहां सभी की इसमें रजामंदी रही श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार आरके श्रीवास्तव ने भी डॉक्टर साहब से जुड़ी यादों को रखा तो आईएफडब्ल्यूजे के संभागीय अध्यक्ष विकास देव पांडे ने भी उनसे जुड़े पलों को सबके साथ साझा किया और अपनी ओर से डॉक्टर साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की आप पार्टी जिलाध्यक्ष राजेश सोनी ने भी शोकसभा के दौरान डॉ साब से जुड़ी बातों को साझा करते हुए इसे अपूर्णीय क्षति बताया ।शोकसभा व श्रद्धांजलि देने वालों में मुख्य रूप से सिंगरौली विधायक राम लल्लू बैश्य भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल भाजपा युवा मोर्चा विनोद चौबे प्रदेश कार्यकारिणी भाजपा सदस्य गिरीश द्विवेदी वरिष्ठ भाजपाई वशिष्ठ पांडे ,भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम सिंह चंदेल,दिलीप शाह,सिंटू पांडे,रविंद्र चौबे कांग्रेस जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह चंदेल कांग्रेश के पूर्व युवा जिला अध्यक्ष प्रवीण सिंह चौहान भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी कामरेड संजय नामदेव अरुण सिंह आप जिला संयोजक अनिल द्विवेदी आप जिलाध्यक्ष राजेश सोनी सेवादल से रूपेश पांडे शिवसेना उप राज्य प्रमुख सुरेंद्र नाथ दुबे समाजसेवी राधेश्याम कुशवाहा मनीष चौबे,चिरायु जन कल्याण शशिदेव पांडे, जिला फुटबॉल एसोसिएशन से राकेश सिंह असगर अली लव कुश तिवारी रविंद्र सिंह,स्पाक्स पार्टी से जितेंद्र द्विवेदी, पतंजलि योग पीठ जिलाध्यक्ष डॉ आर डी पांडे ,पत्रकार काल चिंतन संपादक आरके श्रीवास्तव आईएफडब्ल्यूजे संभागीय अध्यक्ष विकास पांडे संभागीय उपाध्यक्ष राज किशोर पांडे एवं सुनील सोनी ब्लॉक अध्यक्ष रामकुमार सिंह कोषाध्यक्ष प्रेम नारायण गुप्ता एवं राजेश दुबे IFWJ जिला अध्यक्ष अजय द्विवेदी सचिव ओमप्रकाश तिवारी महासचिव वंदना सिंह चौहान प्रदेश सचिव बीपी सिंह,वरिष्ठ पत्रकार धनराज गेहानी,नीरज पांडे,दिनेश पांडे,जमुना सोनी,देवेंद्र पाण्डे, असफाक खान,नीरज द्विवेदी,एसपी विष्वकर्मा,विजय वर्मा,मुकेश,अमित पांडे ,मनोज श्रीवास्तव, मनु शाह,मनोज जैसवाल, सर्वजीत चौबे,अखिलेश द्विवेदी, विवेक त्रिपाठी, अतुल मिश्रा, संतोष द्विवेदी, संतोष शुक्ला, दिवाकर शुक्ला, हीरा शुक्ला, बबलू विश्वकर्मा, ससिकान्त कुशवाहा अभिषेक जैसवाल,विस्नु चौरासिया,ओम प्रकाश शाह जीनियस पब्लिक स्कूल संचालक सहित अन्य सभी आमजन उपस्थित रहे।

विनोद कुमार सिंह
अवध की आवाज दैनिक पेपर ब्यूरो चीफ गोंडा।
मोबाइल नंबर – 9369539488,9984461994
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

मोहित दूबे, प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत जोगापुर विकासखंड मनकापुर जिला गोंडा।
मोबाइल नंबर -91 84231 42200

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

आशा वर्मा,
ग्रामप्रधान – तुर्काडिया
विकासखंड मनकापुर ,जिला गोण्डा
मोबाइल नंबर – 8299344812

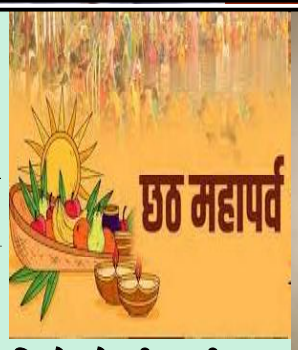

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

पप्पू तिवारी
पता - दलपतपुर , गोंडा
मोबाइल नंबर-99192 29692

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

प्रमोद आर्य चंचल
जिला पंचायत सदस्य (मनकापुर प्रथम) गोण्डा
मोबाइल नंबर –9838727144
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व छठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

प्रेमनाथ वर्मा (बीडीसी,हरनाटायर)
विकासखंड मनकापुर , जिला गोंडा

वंशराज, ग्राम प्रधान - मदनापुरभान , विकासखंड मनकापुर
जिला गोंडा
मोबाइल नंबर - 9565112415
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

डॉ.पवन नन्दा
स्कूल – श्री केडी मेमोरियल नन्दा पब्लिक स्कूल (हड्रवा), मोतीगंज गोण्डा
मोबाइल नंबर –9838978507,8808400452

सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनायें

प्रमोद कुमार सोनी
मां पाटेस्वरी ज्वेल्स
पता -मोतीगंज बाज़ार, जिला गोण्डा
मोबाइल नंबर - 9838002150
सभी छेत्र वासियो को दीपावली , गोवर्धन पूजा , भैयादूज व हरछठ पूजा की हार्दिक शुभ कामनाये

पत्रकार सुरक्षा महासमिति
प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह जी का उन्नाव जनपद में प्रदेश उपाध्यक्ष गुड्डू मिश्रा की अगुवाई में हुआ जोरदार स्वागत अवध की आवाज के पत्रकार बंधु एवं अन्य संस्थान के पत्रकारों ने भी किया स्वागत पत्रकार सुरक्षा महासमिति के सारे सदस्यों ने प्रदेश अध्यक्ष को पाकर कई बिंदुओं पर गहनता से बात की प्रदेश उपाध्यक्ष ने आए हुए सभी पत्रकार बंधुओं का हृदय की गहराइयों से आभार प्रकट किया

सर्दी के मौसम में वाहन चलाते समय कोहरे का रखें विशेष ध्यान

कोहरे में जान जोखिम में डालकर ना चलाएं वाहन खासकर हाईवे पर

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। सर्दी के मौसम में घने कोहरे के बीच हाईवे पर वाहन चलाना बड़ी चुनौती होती है। कोहरे में वाहन चलाते समय हादसे की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। रविवार देर शाम को गोण्डा–अयोध्या हाइवे पर खोरहंसा–पाण्डेय पुरवा के बीच बस और चौपहिया वाहन कोहरे के हादसे सामने आ चुके हैं। कोहरे में जरा सी असावधानी लोगों को असमय ही मौत अपनी आगोश में लेकर चली जाती है। हाईवे पर कोहरे से निपटने के उपाय नाकाफी हैं। ऐसे में सावधानी चालकों को ही बरतनी है। ताकि हादसों पर नियंत्रण किया जा सके। सड़क सुरक्षा से जुड़े जानकर यह मानते हैं कि कोहरे में सड़क पर चलें तो पूरी सावधानी बरतें। ट्रैफिक नियमों का पालन करने के साथ ही रफ्तार पर भी संचालन भी पीछे नहीं है। यह भी जरूरत है तो समय व मौसम को देखते हुए सावधान होने की।

<u>एकाएक खराब होने पर गाड़ी</u>

नियंत्रण रखें। सावधानी बरत कर दूसरों के साथ खुद को भी सुरक्षित रख सकते हैं।

<u>वाहनों के फिटनेस की हो जांच :</u> सड़क पर काल बनकर दौड़ते मालवाहक वाहन फिटनेस के मामले में अक्सर फिसड्डी रहते हैं। व्यवसायिक वाहनों में कोहरे का मौसम आने के बावजूद हेडलाइट, बैकलाइट, फागलाइट ढूंढने से भी नहीं मिलते। लापरवाही बरतने के मामले में निजी वाहन मालिक व

<u>तो करें ये काम :</u> कोहरे में आ रहे हैं और वाहन खराब हो जाता है तो गाड़ी से बाहर निकल खड़े हो जाएं। कोहरे में सड़क पर सामने सावधानी पूर्वक देखते हुए चलें और गाड़ी चलाते समय खाना, पीना, मोबाइल पर बात, सिगरेट या तेज आवाज में संगीत न सुने। यदि कोहरा ज्यादा हो तो सुरक्षित स्थान पर गाड़ी रोके और उसके छटने का इंतजार करें।

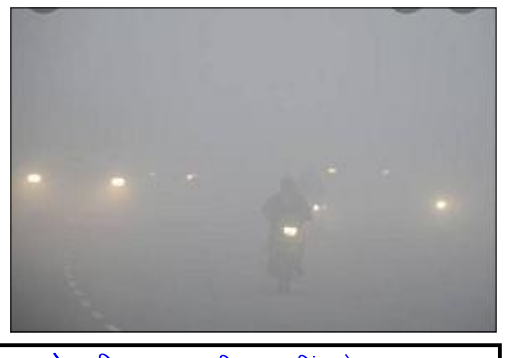

उत्तराखंड दिवस पर प्रधानमंत्री ने राज्यवासियों को बधाई दी

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के स्थापना दिवस पर मंगलवार को राज्यवासियों को बधाई दी और कहा कि पिछले पांच वर्षों में राज्य ने जो प्रगति की है उससे उन्हें विश्वास है कि यह पूरा दशक उसका ही होने वाला है। मोदी ने ट्वीट कर कहा, ''उत्तराखंड के स्थापना दिवस पर देवभूमि के अपने सभी भाइयों और बहनों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। पिछले पांच वर्षों में प्रदेश ने जो प्रगति की है, उससे मुझे विश्वास है कि यह पूरा दशक उत्तराखंड का ही होने वाला है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में विकास का जो काम हुआ है, वह इस बात का प्रमाण है कि अब पहाड़ का पानी और जवानी, दोनों यहां के काम आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मेरी कामना है कि प्रकृति की गोद में बसा यह राज्य यूं ही विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे। नौ नवंबर को उत्तराखंड राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था। पश्थक उत्तराखंड की मांग को लेकर कई वर्षों तक चले आंदोलन के बाद आखिरकार नौ नवंबर 2000 को उत्तराखंड को 27वें राज्य के रूप में भारत गणराज्य में शामिल किया गया। वर्ष 2000 से 2006 तक इसे उत्तरांचल के नाम से पुकारा जाता था, लेकिन जनवरी 2007 में स्थानीय लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए इसका आधिकारिक नाम बदलकर उत्तराखंड कर दिया गया। उत्तर प्रदेश का हिस्सा रहे उत्तराखंड की सीमाएं उत्तर में तिब्बत और पूर्व में नेपाल से लगी हैं। पश्चिम में हिमाचल प्रदेश और दक्षिण में उत्तर प्रदेश इसकी सीमा से लगे राज्य हैं। हिन्दी और संस्कृत में उत्तराखंड का अर्थ उत्तरी क्षेत्र या भाग होता है। उत्तराखंड को देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि कई प्राचीन धार्मिक स्थलों के साथ ही यह राज्य हिन्दू धर्म में सबसे पवित्र मानी जाने वाली देश की सबसे बड़ी नदियों गंगा और यमुना का उद्गम स्थल है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।